जागरण सिटी नोएडा

नई दिल्ली, 5 जून 2018

एक्वा लाइन के 10 किमी. सेक्शन को मिलेगी आरडीएसओ से मंजूरी

जागरण संवाददाता, नोएडा : दो महीने में रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड आर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) से एक्वा लाइन के दस किलोमीटर के सेक्शन के ट्रायल की रिपोर्ट तैयार हो जाएगी। रिपोर्ट सकारात्मक आने के बाद ग्रेटर नोएडा डिपो से सेक्टर-71 तक मेट्रो का ट्रायल शुरू किय जाएगा।

अभी एनएमआरसी द्वारा ग्रेटर नोएडा डिपो से सेक्टर-147 तक ट्रायल किया जा रहा है। इस दौरान मेट्रो के स्टेशन पहुंचने, प्लेटफार्म व ट्रैक की क्षमता का पूरा डाटा एकत्रित किया जा रहा है। इसी आधार पर आरडीएसओ द्वारा इस सेक्शन को सुरक्षा मानकों की जांच कर उसे मंजूर करेगा। इस सेक्शन के बाद के सेक्शन पर दो माह में ओवरहेड केबलिंग का काम पूरा कर लिया जाएगा। खास बात यह है कि डाटा के आधार पर ही तय होगा कि मेट्रो एक स्टेशन पर कितनी देर रोकी जाएगी। नोएडा ग्रेटर नोएडा मेट्रो रूट करीब 29.7 किलोमीटर लंबा है। दिसंबर 2018 तक रूट पर मेट्रो का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। ऐसे में एनएमआरसी द्वारा प्रतिदिन ट्रायल किया जा रहा है। पहले चरण में महज एक किलोमीटर का ट्रायल किया गया था। वर्तमान में ग्रेटर नोएडा डिपो से सेक्टर-147 तक ट्रायल किया जा रहा है। एनएमआरसी के अधिकारियों के मुताबिक ट्रायल के दौरान ही यह तय होगा कि मेट्रो ट्रेन एक स्टेशन पर कितनी देर रुकेगी। टाइमिंग के हिसाब से इसका एक पूरा डाटा तैयार किया ज रहा है। इसके साथ ही ट्रैक की क्षमता का आकलन भी किया जा रहा है। यह ट्रायल आरडीएसओ की गाइड लाइन के अनुसार किया जा रहा है। ताकि मेट्रो संचालन के दौरान सुरक्षा के मानकों में कोई कसर न रह जाए। बताते चले कि आरडीएसओ सरकार द्वारा चुनी गई एक एजेंसी है। जिसका काम रेल को ट्रायल के दौरान सुरक्षा का क्लीयरेंस देना होता है। एनएमआरसी के सहायक निदेशक पीडी उपाध्याय ने बताया कि आगामी दो माह में सेक्टर-71 तक ओवर हेड लाइन का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद आने व जाने वाले दोनों ट्रैक पर ट्रायल शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समीक्षा के दौरान पाया गया कि सितंबर तक इस पूरी परियोजना का काम पूरा कर लिया जाएगा। जिसमें करीब पांच हजार करोड़ रुपये खर्चे किए जा रहे हैं।

ट्रायल रन

- ट्रायल के दौरान विभिन्न क्षमताओं का एकत्र किया जा रहा डाटा
- दो महीने में सेक्टर-71 तक ओवर हेड लाइन का काम पूरा होने पर होगा फुल ट्रायल